Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 **Issue-** 08
Ghaziabad, Sunday, 23 July- 2023

23 July to 29 July- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

हिंडन में आई बाढ़ से कई इलाकों में आफत

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हिंडन नदी में आई बाढ़ से साहिबाबाद के कई क्षेत्रों में आफत आ गई। बाढ़ के पानी से करहैड़ा व आसपास के क्षेत्रों में अफरातफरी मची हुई है। हालात यह है कि बाढ़ का पानी करहैड़ा और आसपास के क्षेत्रों में घरों में घुस गया है। प्रशासन ने एनडीआरएफ की मदद से करीब 700 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। नगर निगम की ओर से करहैड़ा के प्राथमिक स्कूल में बाढ़ से प्रभावित लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। घरों में करीब चार से पांच फीट तक पानी घुस गया है। जलस्तर बढ़ने से पानी खादर क्षेत्र से रिहायशी कॉलोनियों की ओर बढ़ने लगा है। शुक्रवार से ही हिंडन के जलस्तर में बढोत्तरी शुरू हो गई थी। शनिवार को जलस्तर में और अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई। इससे करीब सात सौ से अधिक घरों में पानी घुस गया। सिटी फॉरेस्ट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। डूब क्षेत्र में बनी सभी कॉलोनियों में पानी आ गया है। हिंडन नदी से सटी शिवचरण कॉलोनी, करहैड़ा, ऊधम सिंह कॉलोनी, नूरनगर, श्रीराम कॉलोनी, कान्हा उपवन, ब्रह्म कॉलोनी में बाढ़ का पानी घुस जाने से हालात बिगड़ गए हैं। नंदग्राम के आश्रम रोड तक पानी आ गया है। बाढ़ आने से बिजली घरों को पूरी तरह बंद कर दिया गया। जिस कारण साहिबाबाद के एक बड़े हिस्से में बिजली नहीं आ रही है। करीब आठ सौ लोगों को ट्रैक्टर ट्रालियों से बाहर निकाल कर प्राथमिक विद्यालय करहैड़ा में पहुंचाया गया। नगर निगम की ओर से प्राथमिक विद्यालय में लोगों के रहने और खाने पीने की व्यवस्था की गई। उधर, अधिकांश लोग अपने घरों को खाली करके करहेड़ा कंपोजिट विद्यालय में शरण ले रखी है। लोगों को ट्रैक्टर और ट्रॉली पर सामान लादकर सरकारी स्कूल जाना पड़ा।

एसडीएम विनय सिंह, विधायक सुनील शर्मा, पूर्व पार्षद विजेंद्र चौहान ने भी इलाके में जाकर लोगों से तुरंत घर खाली करने की अपील की। शनिवार देर शाम तक पानी और बढ़ने का खतरा है। एसडीएम विनय सिंह ने बताया कि 24 जुलाई से पानी घटना शुरू होगा,

यमुना की सहायक नदी है हिंडन

हिंडन यमुना की एक सहायक नदी है, जो उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के बाद फिर से उफान पर है। दरअसल, उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते हिंडन का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। 1978 में आखिरी बार हिंडन नदी में बाढ़ आई थी।

आधा करहेड़ा गांव शनिवार सुबह करीब पांच बजे तक पानी में डूब गया। कई कॉलोनियों में गले तक पानी पहुंच चुका है। बाढ़ ग्रस्त इलाके में पानी उतरने तक बिजली की सप्लाई बंद रहेगी। सभी सबमर्सिबल भी बंद हो चुके हैं, जिससे लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिन नलों में बाहरी कनेक्शन के कारण सप्लाई आ भी रहा है, वहां गंदा और मटमैला पानी आ रहे है। कई लोग एक साथ अपने परिवार के लिए दुकानों से मिनरल वॉटर खरीदकर एकत्रित करते हुए दिखे।

10 से अधिक ट्रैक्टर लगाए गए हैं लोगों के लिए

स्थानीय विजेंद्र चौहान पार्षद ने बताया कि शुक्रवार शाम और शनिवार सुबह को खाने के पैकेट बंटवाए गए हैं। लोगों के लिए 10 से अधिक ट्रैक्टर लगाए गए हैं, ताकि लोग अपना घर खाली कर सकें। पीने के पानी का भी इंतजाम किया जा रहा है, लेकिन लोग नहीं मान रहे हैं। अब भी कई परिवार बाढ़ में ही महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के साथ रुके हुए हैं।

कंपोजिट विद्यालय में की गई है व्यवस्था

जिला प्रशासन की तरफ से कंपोजिट विद्यालय में आने वाले बाढ़ पीड़ितों के लिए गददे, खाने, हेल्थ चेकअप, शौचालय समेत सभी तरह की व्यवस्था की गई है। इसके बाद भी लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में अपनी मूलभूत सुविधाएं जैसे कि पंखे, गद्दे, बर्तन, सिलेंडर, खाना बनाने के लिए चूल्हा आदि लेकर पहुंच रहे हैं। कई छोटे-छोटे बच्चों के साथ महिलाएं विद्यालय पहुंचीं हैं। करहेड़ा पहुंची एनडीआरएफ की टीम शनिवार सुबह से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी रही।

मेयर ने लिया जायजा

मेयर सुनीता दयाल ने लखनऊ से आते ही सीधे करहैड़ा का रूख किया। महापौर ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा करने के बाद कंपोजिट विद्यालय में ठहराए गए लोगों से मुलाकात की।

मेयर ने कहा कि नगर निगम के करीब 700 लोग राहत कार्यों में लगे हुए है। मेयर ने राहत शिविर में खाने पीने की व्यवस्था भी देखी।

13 स्थानों पर लगाए हेल्थ कैंप

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भवतोष शंखधर ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में संक्रामक रोगों से बचाव के लिए दवाइयों का वितरण लगातार किया जा रहा है। शनिवार को 13 स्थानों पर मेडिकल कैंप लगाए गए। इसमें 441 लोगों को देखा गया। ओआरएस पाउडर के 2510 पैकेट और क्लोरीन गोलियां 10700 बांटी गई हैं। अभी तक कोई गंभीर रोगी सामने नहीं आया है। ये कैंप हर रोज लगाए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का दौरा

केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह शनिवार शाम को बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद राहत कैंप में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मिले। केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि इनके लिए खाने-पीने, रहने की कोई दिक्कत न होने पाए। इधर, एसडीएम सदर विवेक श्रीवास्तव ने ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाके में जाकर वास्तविक स्थिति देखी।

हमारी मदद कीजिए योगी जी

लोनी में बाढ़ की त्रासदी झेल रहे लोगों ने की मुख्यमंत्री से अपील

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। पिछले दिनों तेज बारिश और हरियाणा के हथनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद गाजियाबाद के लोनी-बागपत सीमा इलाके में अलीपुर बांध टूट गया। जिस कारण लोनी के करीब एक दर्जन से ज्यादा गांवों और ट्रोनिका सिटी में बाढ़ आ गई। बाढ़ की विभिषिका यह थी कि लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट करना पड़ा। करीब एक सप्ताह बाद हालांकि बाढ़ का पानी उतर चुका है लेकिन कई गांव और ट्रोनिका सिटी में स्थिति ऐसी नहीं हो पाई है कि लोग वहां रहने के लिए जा सके।

गाजियाबाद के बदरपुर गांव की रहने वाली 48 वर्षीय कुलसुम बेगम पानी में डूबे अपने कच्चे मकान के पास बार-बार जाती हैं और निराश होकर वापस लौट आती हैं। मकान के चारों तरफ पानी भरने के कारण दीवारें गिरने की कगार पर हैं। घर में जो सामान पड़ा था वह बह गया। पेशे से मजदूरी करने वाली कुलसुम के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। करीब नौ महीने पहले ही उन्होंने अपनी जीवन भर की कमाई को जुटाकर किसी तरह प्लॉट खरीदा और उस पर तीन कमरों का एक कच्चा मकान बनाया था, लेकिन वह मकान भी अब टूटने की कगार पर है। इसकी वजह से वह अपने बच्चों को लेकर बांध पर रह रही हैं।

कुछ ऐसा ही हाल शबाना की है। गांव सुरंगपुर की रहने वाली शबाना का घर पानी से भर गया था। कई दिनों से यहां बिजली ठप्प थी। हालांकि गुरुवार को कुछ देर के लिए बिजली आई और फिर चली गई। यहां ईंधन की भारी दिक्कत है। गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद है। लकड़ियां गीली हो चुकी है। गुरुवार तक प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। कुछ लोगों ने चाय बिस्कुट की व्यवस्था कराई मगर खाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। छह दिन से मीडिया और अधिकारियों की राह ताकती सुभानपुर की रूपवती की आंखें कैमरा देखते ही उम्मीद से भर जाती हैं। वह रोते हुए कहती है, मैंने लोगों के खेतों से जो अनाज बीनकर अपने बच्चों के लिए रखा था, वह भी बह गया। घर भी टूट रहा है। अब न रहने को घर है न खाने का खाना। ऊपर से सरकार भी हमारी कोई मदद नहीं कर रही है। मैं अपने बच्चों को कैसे पालूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए वह कहती हैं, हमारी मदद कीजिए योगी जी। आप तो हमारे माई बाप हैं। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। न हमें खाने को मिल रहा है न रहने को। बारिश के मौसम में हमें टेंट भी नहीं दिया गया है। तकरीबन रूपवती जैसी स्थिति गांव की रहने वाली मीना देवी की भी है। मीना का मकान पक्का बना है लेकिन घर के चारों तरफ पानी भरने की वजह से दीवारों का आपस में संपर्क छुट गया है जिससे दीवारें दरक रही हैं। फर्श भी नीचे की ओर धंस रहा है। मीना भी अपने बच्चों के साथ मकान छोड़कर बांध पर रह रही हैं। बदरपुर गांव के प्रधान गोपीचंद पाल बताते हैं, गांव में कुल 13 हजार लोग रहते हैं। 13 जुलाई को बाढ़ आने के बाद से गांव में कोई भी सरकारी मदद नहीं पहुंची है। हमने जिला अधिकारी, तहसीलदार और सभी सरकारी अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन अभी तक ग्रामीणों के लिए कोई राहत का इंतजाम नहीं किया गया है। गाजियाबाद में 13 जुलाई को यमुना नदी पर बने अलीपुर पुस्ते का करीब 130 मीटर हिस्सा पानी में बह गया। देखते ही देखते यह पानी गाजियाबाद के एक दर्जन से ज्यादा गांवों, ट्रॉनिका सिटी की सौ से ज्यादा फैक्ट्रियों और रिहायशी इलाकों में भर गया। इसकी वजह से हजारों लोग अपना घर छोड़कर सड़क पर रहने को मजबूर हैं। बदरपुर गांव इस बाढ़ से न सिर्फ प्रभावित है बल्कि तबाह हो चुका है। लोगों की आजीविका संकट में है। अपने रोते बिलखते बच्चों और मवेशियों को किसी तरह बचाकर हजारों लोग खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। जहां ना शौच की सुविधा है, न खाने की. किसी तरह की कोई मेडिकल सहायता भी नहीं पहुंचाई जा रही है।

गांवों में सफाई कराना एक चुनौती

बाढ़ का जलस्तर कम होने पर अब प्रशासन की चुनौती गांवों की सफाई करने की है। गांवों में अभी भी पानी और गंदगी है। प्रशासन की ओर से पंपों के जरिए पानी को निकाला जा रहा है। इसके लिए 18 पंप लगाए गए। मंगलवार को दो और फीडर चालू कराकर बिजली आपूर्ति बहाल कराई गई। आपदा प्रबंधन अधिकारी और एडीएम वित्त एवं राजस्व विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि रात भर भर टीम काम करेगी। बुधवार तक जल निकासी सहित बिजली व्यवस्था और अन्य सभी व्यवस्थाएं सुचारू हो गई। जिन इकाईयों के बेसमेंट में जलभराव हो गया था, उसको भी निकाला गया है। मंडोला, मीरपुर हिंदू और ट्रोनिका सिटी में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। सोमवार को दो फीडर ठीक हुए थे और मंगलवार को दो फीडर चालू करा दिए गए हैं।

मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी

पानी उतरने के बाद लोनी में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 391 मरीजों का इलाज किया। इसके अलावा चार हजार क्लोरीन और 500 ओआरएस के घोल का पैकेट बांटा गया। सर्विलांस अधिकारी आरके गुप्ता ने बताया कि सबसे अधिक ट्रोनिका सिटी में 121 मरीजों का इलाज किया गया जिसमें बुखार के मरीजों की संख्या अधिक थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोनी स्थित पूजा कॉलोनी, रजापुर ग्राम में जाकर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया और लार्विसाइड का छिड़काव किया गया।

पशु भी हुए प्रभावित

बाढ़ से इंसानों के साथ जानवर भी बुरी तरह प्रभावित हुए है। कई गौशालाएं डूब चुकी थी। बड़ी संख्या में पशुओं के मरने की संभावनाएं हैं। 151 पशुओं को मीरपुर हिंदू की गोशाला से निकाल कर सुरक्षित चार गोशालाओं में रखा गया है। इसमें नंदी पार्क, एसएलएफ-प्रथम और द्वितीय सहित गनौली गांव में अस्थाई व्यवस्था कर उनको रखा गया है। गांवों में जो पशु बचे हैं, उनका टीकाकरण भी कराया जा रहा है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पशुओं के इलाज के लिए लोनी ब्लॉक की सभी टीमें लगाई गई हैं हालांकि पशुओं को पहले ही सुरक्षित निकाल लिया गया था। उनके लिए चारे का भी भरपूर इंतजाम है।

क्षति का आकलन किया जा रहा है: जिलाधिकारी

जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि ट्रॉनिका सिटी में उद्योगों को हुई क्षति का आकलन कराया जा रहा है हालांकि आपदा राहत के नियमों में मशीनों के खराब होने की क्षतिपूर्ति का कोई प्रावधान नहीं है। जिनका बीमा होगा बीमा कंपनियों की तरफ से ही नियमानुसार भुगतान होगा, जो बुनकर या छोटे कामगार होंगे उनको नियमानुसार क्षतिपूर्ति दी जाएगी। बिजली आपूर्ति प्राथमिकता पर बहाल कराई गई है। चिकित्सा, खाने पीने की व्यवस्था और अन्य राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नेक्सट ने एक बार फिर की समाजसेवा की मिसाल कायम

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नेक्सट ने एक बार फिर समाजसेवा की मिसाल कायम की। क्लब ने शुक्रवार को विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित समारोह में 14 राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों को कंप्यूटर लैब के लिए 94 कंप्यूटर, प्रिंटर, इन्वर्टर व फर्नीचर वितरित किए। समारोह का उदघाटन मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास ने किया। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नेक्सट द्वारा 14 राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों को कंप्यूटर लैब

के लिए 94 कंप्यूटर, प्रिंटर, इंवर्टर और फर्नीचर वितरित करना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

क्लब की मदद से इन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। जिसका फायदा उन्हें अपनी शिक्षा में मिलेगा। साथ ही वे तकनीकी ज्ञान को भी प्राप्त कर सकेंगे। विशिष्ट अतिथि इलेक्टेड गर्वनर प्रशांत राज शर्मा और गवर्नर नोमिनी अमिता मोहिंद्रू ने कहा कि रोटरी का एक मात्र लक्ष्य ही सेवा करना है और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नेक्सट इस कार्य को बहुत ही अच्छी तरह से कर रहा है। पूर्व डिस्ट्रिक्ट गर्वनर अशोक अग्रवाल और पूर्व गवर्नर ललित खन्ना ने 14 राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों को 94 कंप्यूटर, प्रिंटर, इंवर्टर और फर्नीचर देने के लिए क्लब सराहना की। पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जे के गौड़ ने कहा कि रोटरी का ध्येय सेवा करना ही है। रोटरी क्लब जहां एक ओर हर व्यक्ति तक आधुनिक चिकित्सा का लाभ पहुंचा रहा है तो वहीं हर बच्चे को शिक्षित करने के लिए स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नेक्सट चिकित्सा, शिक्षा, पर्यावरण आदि क्षेत्रों में जो कार्य कर रहा है, वह अपने आप में मिसाल बन चुके हैं। क्लब ने रोटरी फाउंडेशन की डिस्ट्रिक्ट ग्रांट के माध्यम से 14 राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों को 94 कंप्यूटर, प्रिंटर, इंवर्टर और फर्नीचर उपलब्ध कराए हैं। जिन पर 16 लाख 40 हजार रुपए का खर्चा आया है। क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा और सचिव अब्दुल वाहिद ने सभी का स्वागत किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन रवि बाली ने सभी का धन्यवाद किया। स्कूल के निदेशक डॉ. करुण गौड़, प्रधानाचार्य अंजू गौड़, सरदार जोगेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, विभिन्न क्लब के अध्यक्ष समेत कई लोग उपस्थित थे।

Editorial

Will oppositions unity last?

After the initial Patna meet, top leaders of 26 political parties were in attendance in Bengaluru on July 17 and 18. This is a significant rise from the 16 parties that got together in Patna on June 23. How far will this go? Can a motley group of parties combine forces effectively? The tried and tested Third Front experiments still evoke uninspiring memories. Since the late 1980s, such stitching of coalitions has become a regular feature, especially in the run-up to the general elections. Like always, the opposition this time too, has too many prime ministerial aspirants. The camp has multiple heavyweights, who are highly ambitious, and many of them won't think twice before scooting to the NDA side if they get the right offer.

From the mercurial Mamata Banerjee to the unpredictable Arvind Kejriwal, the grouping has many who can just take off on their own on any given day. So irrespective of the 'common' goal, the guarantee that the opposition will stay glued seems thin. The Congress isn't considered the big brother anymore, but it is a tag that it won't let go easily. Congress general secretary Jairam Ramesh had earlier said: "Every political party wants to take something from the Congress. This will not do. This third front experiment that we had is not an experiment that should be repeated." Even before the adhesive begins to stick, it seems to be falling apart. The 'Pawar' play and the resultant split wide open aren't restricted to any one party. Such unpredictability will never enthuse the voters. Even now, nobody knows the real NCP stand. The beginning of the opposition alliance itself is seeing many pulls and pressures. The Congress, which was cagey in supporting the Aam Aadmi Party on Delhi Ordinance, had to finally budge in the face of AAP's threat to boycott the Bengaluru meeting.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Jobs provided to 11,000 youths in one month: UP govt

The Uttar Pradesh government led by Chief Minister Yogi Adityanath has provided employment to more than six lakh youths of the state in the last six years and more than 11,000 in a month, the state government said on Wednesday. The government has also been maintaining absolute transparency in recruitments since 2017 to ensure that only eligible candidates get selected. It is noteworthy that Chief Minister Yogi distributed appointment letters to 1,148 Sub-Inspectors selected by the Uttar Pradesh Police Recruitment and Promotion Board on July 6, including 587 Assistant Sub-Inspectors (Clerk), 217 Sub-Inspectors (Confidential), and 344 Assistant Sub-Inspectors (Accounts). Moreover, appointment letters were given to 227 constables selected under sports quota on July 8. In the last six years, the Yogi government has made recruitments on more than 1.5 lakh positions in the Uttar Pradesh Police Department alone. An additional 2500 recruitments were made for dependents of the deceased personnel. All this has contributed to enhanced security in Uttar Pradesh. Furthermore, the state government has also encouraged athletes by providing them with government jobs. Several athletes have been provided with gazetted jobs in Uttar Pradesh in the recent past. Moreover, Chief Minister Yogi has also honoured the youths from time to time. On 9th June, a felicitation ceremony was organized for 23 candidates selected through the Union Public Service Commission and 95 candidates through the Uttar Pradesh Public Service Commission under the Mukhyamantri Abhyudaya Yojana. According to the government, over 1.25 lakh women have been provided with government jobs. The state government implemented a new MSME policy-2022 and started an annual loan scheme of Rs 2.35 lakh crore. Additionally, more than 21,000 products were sold on ODOP-e-commerce portal and about 1.5 lakh jobs were also created through the Mukhyamantri Yuva Swarozgar Yojana. Under the Skill Development Mission, more than 10.20 lakh youth trained in various trades were given employment. Notably, Chief Minister Yogi Adityanath will hand over appointment letters to 936 youths in various departments at a program organized at Lok Bhavan on Thursday.

How Uttar Pradesh's Education Model is Making a Difference?

The Uttar Pradesh government's central theme has been facilitating universal access to excellent and quality education, which can lead to the holistic development of an individual vis-à-vis society. Chief Minister Yogi Adityanath has relentlessly been working to transform and revamp the state's educational structure. The immediate policy attention in the state has been on ensuring that the dropout rate falls and the enrollment rate is maximised. The state is taking every initiative to bloom as many flowers as possible, keeping late Prime Minister Atal Bihari Vajpayee's policy of 'Sarva Shiksha Abhiyan' as the cardinal motto.

Under the Yogi regime, the status of education infrastructure and facilities has tremendously improved, addressing the growing developmental imperatives of the country. With the quickly changing landscape, the Uttar Pradesh government has emphasised the development of students' foundational and cognitive capacities with its two-pronged strategy. First, availability and accessibility of schools regardless of socio-economic background to improve the enrollment ratio and revamp access to the hinterlands. The second strategy is to focus on the qualitative and substantive aspects of education by inculcating quality education based on robust output. On both scales, Uttar Pradesh has improved during the Yogi government.

The practical implementation of the first strategy can be traced through the Annual Status of Education Report (ASER), which records the increasing trend in the student enrollment ratio in the state, specifically in rural areas. According to the report, the enrollment of children between the age of 6 to 14 in Uttar Pradesh was 43.1 percent in 2018, which exponentially improved to 56.3 percent in 2021. If one observes the changes in the enrollment percentage in various states between 2018 and 2021, Uttar Pradesh seems to be on the upper echelons in the education sector, marking a push of 13.2 percent, which is more than the national advancement of 6.1 percent. The girl's enrollment ratio in 2021 improved to 58.1 percent from 51.9 percent, and boys from 47.8 percent to 54.8 percent in the same year. UP's education measures and literacy rate have increased from 67.68 percent in 2011 to 81.8 percent and 73.0 percent in males and females, respectively, in 2022. One can also see an increase in the percentile of women's literacy rate of 9.6 percent in 2022 from that of 2021.

The state government not only focused on improving the enrollment rate of the children amidst the pandemic but also ensured that students were equipped with textbooks. The government's reform in the education system is evident from the escalating percentage of students who have textbooks in UP increased from 79.6 percent in 2020 to 91.3 percent in both the public and the private schools.

Under this strategy, the plan was to "significantly improve the learning levels in basic reading and arithmetic; introduce and sustain innovative teaching-learning practices in schools, and to build monitoring, mentoring and academic support capacity at block and district levels". The Yogi government facilitated the GLP by providing technological amenities, other materials for classrooms and student training, and the managerial level of resource persons. The improvement of the teaching-learning was also contingent upon recruiting and monitoring the teachers.

यूथ अवेकनिंग मिशन ने आयोजित की 'धरासेवा-शिवसेवा' कैंपेन

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। पावन चिंतन धारा आश्रम के युवा प्रकल्प, यूथ अवेकनिंग मिशन द्वारा राष्ट्रीय स्तरीय 'धरासेवा-शिवसेवा' कैंपेन के अंतर्गत के.आई.ई.टी. कॉलेज परिसर में पौधारोपण का कार्य किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीय गुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना सचिव, पावन चिंतन धारा आश्रम तथा डॉ. सतीश कुमार, डीन- स्टूडेंट वेलफेयर द्वारा किया गया। तत्पश्चात आश्रम सदस्यों एवं मिशन के युवाओं ने कॉलेज के शिक्षक-विद्यार्थियों के साथ परिसर में पौधे लगाये जिसमें आम, अमरूद, जामुन, चंपा, रजनीगंधा, कनेर, अनार, सागवान, बुटेर, कचनार, नींबू आदि 200 फलदार और छायादार पौधे रोपित किए गए। पौधारोपण उपरांत सभी विद्यार्थियों को यूथ अवेकनिंग मिशन द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए और उन्हें अपने द्वारा लगाए गए पौधे की देख-भाल का दायित्व सौंपा गया जिससे युवाओं में प्रकृति के प्रेम व संवेदना का भाव उत्पन्न हो।

ज्ञातव्य हो कि आज प्रकृति के संरक्षण के लिए भारत में लगभग 500 करोड़ पेड़ों की आवश्यकता है जिसकी पूर्ति हेतु सरकार और प्रशासन के साथ-साथ समाज को भी अग्रसर होकर अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। इस विचार को क्रियान्वित करते हुऐ आश्रम के संस्थापक एवं दिल्ली विश्विद्यालय के प्रोफेसर डॉ. पवन सिन्हा 'गुरूजी' द्वारा वर्ष 2019 में ह्यधरासेवा शिवसेवाह्ल कैंपेन को प्रारंभ किया गया। कैंपेन के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सावन माह में प्रो. पवन सिन्हा 'गुरूजी' की प्रेरणा से देशभर के अलग-अलग शहरों तथा ग्रामीण इलाकों सहित स्कूल एवं कॉलेज में पौधारोपण का कार्य निरंतर किया जाता है तथा लोगों को पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन हेतु जागरूक किया जाता है। गत 4 वर्षों में इस कैंपेन के तहत लगभग 2.5 लाख पौधे देश के 15 राज्यों में, ऐसे स्थानों पर जहाँ उनकी देखभाल भी की जा सके, रोपित किए जा चुके है जिसमें लगभग 5000 से अधिक सेवादारों का योगदान रहा। इस वर्ष भी सावन में यह कार्य अनवरत जारी है और अब तक विभिन्न स्थानों पर लगभग 3000 पौधे लगाये जा चुके हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी आज से यूपी में 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' अभियान शुरू किया गया है जिसमें तकरीबन 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इस पवित्र कार्य में आश्रम के सदस्यों के साथ कॉलेज के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस अवसर यूथ अवेकनिंग मिशन के सदस्यों द्वारा कॉलेज के डीन डॉ. सतीश कुमार जी को सम्मानित किया गया।

हिंडन का पानी घुस जाने पर सिटी फॉरेस्ट को किया बंद

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। यमुना नदी का जलस्तर कम होने के बाद अब हिंडन नदी में जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को सिटी फॉरेस्ट में पानी भर गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) को सिटी फॉरेस्ट के गेट को बंद कर दिया। पूरे सिटी फॉरेस्ट में जलभराव हो गया है। पार्क के साथ ही अंदर बने स्ट्रक चर भी डूब गए हैं। जीडीए के उद्यान प्रभारी शशि भारती ने बताया कि हर साल हिंडन नदी का पानी जब बढ़ता था तो गेट तक पानी आ जाता था। लेकिन इस बार हिंडन में ज्यादा बाढ़ होने की वजह से इस समय ज्यादा पानी आ गया है। जिसकी वजह से सिटी फॉरेस्ट के बाहर के साथ अंदर भी पानी भर गया है। वहीं दूसरी तरफ एडीएम फाइनेंस वीके श्रीवास्तव ने बताया कि अभी आसपास के रिहायशी एरिया के लिए लिए बाढ़ का पानी खतरा नहीं है। 1978 के बाद से हिंडन नदी में कभी बाढ़ नहीं आई है। पर इस बार मामला अलग दिख रहा है। गाजियाबाद के निचले इलाकों में मौजूद 12 गांवों में पानी भर गया है। सिटी फॉरेस्ट हिंडन नदी के किनारे 150 एकड़ एरिया में फैला हुआ है। इसे गाजियाबाद का ग्रीन लंग कहा जाता है जहां हर रोज सैकड़ों शहरवाले घूमने आते हैं। हिंडन नदी के पानी में यहां का 80 परसेंट इलाका डूब गया है। इसकी वजह से इसे आम लोगों के लिए बंद करना पड़ा है।

सिटी फॉरेस्ट के प्रबंधन का कहना है कि बाढ़ का पानी जब उतर जाएगा, तब इसे खोलने पर विचार किया जाएगा। गुरुवार को हिंडन बैराज का जलस्तर 199.05 मीटर रहा। चेतावनी स्तर 205.8 के यह काफी नजदीक पहुंच गया है। इसको लेकर पुलिस और प्रशासन के लोग अलर्ट हो गए हैं।

कैरियर की बातें टीबीसी के संग

हिन्दी से भी बना सकते हैं शानदार कैरियर

इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि सिर्फ अंग्रेजी बोलने और लिखने वालों को ही अच्छी नौकरी मिलती है। हिंदी में रूचि रखने वाले भी शानदार कैरियर बना सकते हैं। उम्मीदवार हिंदी विषय में पढ़ाई करने के बाद प्राइवेट से लेकर सरकारी नौकरी तक पा सकते हैं।

जैसा कि सबको पता है कि हिंदी भारत देश की राजभाषा है। यह भारत में तीसरी सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा है। क्योंकि यह राजभाषा है तो इसका उपयोग केंद्र व राज्य के सरकारी कामकाज में भी लिया जाता है। इस भाषा को बातचीत और न्यायिक के भी काम में लिया जाता है। यदि आपकी हिंदी विषय में रूचि है तो जानें कैसे आप इस क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते है। आप 12वीं क्लास पास करने के बाद किसी कॉलेज से इस फील्ड में बैचलर इन हिंदी होनोर्स कर सकते हैं फिर उसके बाद आप इसी फील्ड में आगे मास्टर करके पीएचडी भी कर सकते हैं।

पत्रकारिता: इस फील्ड में देश-विदेश से लेकर करंट अफेयर्स तक की जानकारी मिलती है यदि आपने हिंदी विषय में अपनी डिग्री पूरी कर ली है तो आप इस फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसमें आप न्यूज रीडर, एडिटर, एंकर, रिपोर्टर आदि के रूप में काम कर सकते हैं।

ट्रांसलेटर: यह फील्ड एक शानदार मौका है इस फील्ड में आप अपना बेहतर करियर बना सकते हैं। आपको बता दें की इस फील्ड में हिंदी विषय के साथ-साथ आपकी दूसरी किसी अन्य भाषा खासकर अंग्रेजी भाषा में पकड़ होनी बहुत जरुरी है। इस फील्ड में आपको 40 से 50 हजार तक की सैलरी मिलती है।

अध्यापक: हिंदी विषय में डिग्री लेने के बाद आप इस विषय के अध्यापक भी बन सकते हैं। शुरूआत में शिक्षक को 25 हजार से 35 हजार सैलरी मिलती है।

सरकारी नौकरी: सभी चाहते हैं कि सभी सरकारी नौकरी कर सकें अगर आपने इस फील्ड में डिग्री ली हुई है और सरकार के लिए काम करना चाहते हैं तो आप केंद्र व राज्य सरकार की ओर से निकाली जाने वाले तमाम भर्तियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार की ओर से समय-समय पर स्कूल-कॉलेजों में वैकेंसी निकाली जाती हैं।

सिद्धार्थ विहार योजना में गौड़ संस को भूमि आवंटन को लेकर होगी एसआईटी जांच

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। प्रदेश की योगी सरकार ने आवास विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार योजना में गौड़ संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भूमि आवंटित करने के संबंध में जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए आवास विभाग में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में 3 सदस्य एसआईटी का गठन किया है। साथ ही एसआईटी को एक माह के भीतर जांच करके रिपोर्ट शासन को सौंपने का आदेश दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव आवास एवं नियोजन नितिन गोकर्ण ने आदेश जारी कर एक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। तीन सदस्य एसआईटी कमेटी में मेरठ के मंडलायुक्त और अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ मंडल को सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि इस मामले में पहले भी कई बार आवाज उठती रही है। गौड़ संस इंडिया

प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कई शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए प्राथमिक जांच में शिकायतों की पुष्टि मिलने पर जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वर्ष 2004 में निष्पादित की गई एक्सचेंज डीड में आवास विकास परिषद द्वारा मोहन मीकिंस और नेशनल सीरियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड की इस योजना में शामिल भूमि पर उसी स्थान में 12.47 एकड़ भूमि दी गई। इसका भूमि का प्रयोग जल शुद्धिकरण के लिए किया जाना था। लेकिन इन फर्मों द्वारा एक्सचेंज डीड की शर्तों के विपरीत संबंधित जमीन को मेसर्स गौड़ संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को गलत ढंग से आवासीय दिखाते हुए वर्ष 2005 में बेच दिया गया था। अब बनाई गई एसआईटी को एक माह में इस मामले की जांच कर रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी। लेकिन इस पूरे प्रकरण में कई बड़े अधिकारियों पर भी संकट के बादल घिर सकते हैं।

हाउसिंग सोसाइटी को लेकर हाईकोर्ट ने दिया महत्वपूर्ण फैसला

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद की सैकड़ों हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले लाखों लोगों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाउसिंग सोसाइटीज की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन या रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनावों से जुड़े सैकड़ों विवाद चल रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऐसे ही एक विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैसले में साफ कर दिया गया है कि अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन का चुनाव किस ढंग से होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस अजय भनोट ने फैसला सुनाते हुए मेरठ के डिप्टी रजिस्ट्रार और गाजियाबाद जिला प्रशासन को आदेश दिया है कि इस फैसले की कॉपी मिलने के बाद 15 दिनों में विंडसर पार्क हाउसिंग सोसाइटी की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन का चुनाव कराया जाए।

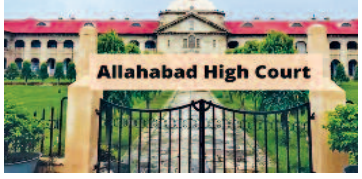

क्या है मामला

गाजियाबाद की विंडसर पार्क हाउसिंग सोसायटी में रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का चुनाव कराया गया। जिसमें मौजूदा कार्यकारिणी ने 10 सदस्यों के बोर्ड में से केवल 3 सदस्यों के लिए चुनाव करवाया। इस चुनाव को अवैध बताते हुए विनीत गर्ग नाम के निवासी ने डिप्टी रजिस्ट्रार के सामने चुनौती दी। डिप्टी रजिस्ट्रार ने चुनाव को गैरकानूनी करार दे दिया। जिसके खिलाफ रेजीडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस पूरे प्रकरण की सुनवाई करते हुए चुनाव को अवैध करार दे दिया है। डिप्टी रजिस्ट्रार, गाज़ियाबाद के सब डिविजनल मजिस्ट्रेट के आदेशों और सोसाइटी के निवासी विनीत गर्ग के विरोध को जायज करार दिया है।

आरडब्ल्यू ने कोर्ट में क्या कहा

आरडब्ल्यू ने कोर्ट को बताया कि दिनांक 29 अक्टूबर 2022 को मेरठ के डिप्टी रजिस्ट्रार (फर्म्स, सोसायटीज एंड चिट्स) ने चुनाव को अवैध ठहराने वाला आदेश गलत ढंग से जारी किया है। जिसमें चुनाव याचिका सुनने के लिए गाजियाबाद के एसडीएम को प्राधिकारी घोषित किया है। दिनांक 08 फरवरी 2023 को उपजिलाधिकारी गाजियाबाद ने बतौर विहित प्राधिकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चुनाव को अमान्य कर दिया है। आरडब्ल्यूए ने याचिकाकर्ता पर सवाल उठाया और कहा कि सोसायटी के बोर्ड की बैठक 26 जून 2022 को आयोजित हुई। जिसमें चुनाव करवाने का फैसला लिया गया था। जिसके तहत वार्षिक चुनाव में केवल तीन पदों के लिए प्रक्रिया पूरी करनी थी।

याचिकाकर्ता के वकील अभिजीत मुखर्जी ने अदालत में कहा कि निर्धारित प्राधिकारी का संदर्भ गैरकानूनी था। उत्तर प्रदेश अपार्टमेंट एक्ट-2010 के मॉडल बायलॉज के मुताबिक केवल 1/3 सदस्यों (10 में से 3) के लिए चुनाव प्रबंधन बोर्ड के पदों पर कार्य करना होगा। प्रबंधन बोर्ड के 2/3 सदस्य वार्षिक चुनाव का सामना करने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। कोई भी पदाधिकारी दो वर्ष से अधिक समय तक लगातार पद पर नहीं रह सकता है।

प्रतीक ग्रैंड सोसाइटी में रेजिडेंट्स का प्रदर्शन जारी

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रैंड सोसाइटी में अवैध रूप से गठित अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन और यहां की बदहाल मूलभूत सुविधाओं के लेकर लोगों का प्रदर्शन तीसरे हफ्ते भी जारी रहा।

सोसाइटी के लोगों का कहना है कि नियमित रूप से जब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता और फर्जी रूप से बनाई गई एसोसिएशन की मान्यता रद्द करके नए सिरे से चुनाव नहीं किये जाते, तब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा। इस अवसर पर लोगों ने कहा की सोसाइटी की पार्किंग

और टावर की दो सालों में ही दयनीय स्थिति है। जगह-जगह पर पार्किंग में पानी के रिसाव और जमाव के चलते सोसाइटी में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। साथ ही टावर को भी नुकसान पहुंच रहा है। इसके लिए नियमित रूप से सोसाइटी के लोग 3.25 की दर से मेंटेनेंस चार्ज भर रहे हैं, जो अन्य सोसाइटी में सबसे ज्यादा है। पर मेंटेनेंस के नाम पर कोई राशि नहीं खर्च की जाती है। रेजिडेंट्स ने कहा, आए दिन सोसाइटी की लिफ्ट खराब रहती है या कोई ना कोई उनमें फंस जाता है। सोसाइटी की दोनों लेवल की पार्किंग में कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। सोसाइटी में बिना रेजिडेंट्स की जानकारी के एओए का गठन कर दिया गया है, जिसकी कोई जानकारी लोगों को नहीं दी गई। लोगों का कहना है कि जब तक सोसाइटी की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक नियमित रूप से हर हफ्ते लोग धरने पर बैठेंगे।

यूपी पुलिस की जुबानी, सीमा हैदर की कहानी

टीबीसी न्यूज

नोएडा। सीमा गुलाम हैदर पर यूपी एटीएस ने प्रेस नोट जारी किया है। एटीएस ने बताया कि सीमा पाकिस्तान में अपना घर बेच कर सचिन के पास नोएडा आई थी। 4 जुलाई 2023 को नोएडा पुलिस ने सीमा गुलाम हैदर को विदेशी अधिनियम की धारा 14 और अपराधिक साजिश के आरोपों में गिरफ्तार किया था। एटीएस ने आगे बताया कि वह सन 2020 में पब्जी ऑनलाइन गेम के जरिए सचिन मीणा के संपर्क में आई थी। दोस्ती बढ़ने पर दोनों व्हाट्सएप पर बात करते थे। करीब तीन वर्षों से दोनों के बीच बातचीत चल रही थीं।

इस तरह नेपाल में मिले सीमा और सचिन, फिर भारत आई

यूपी एटीएस के मुताबिक 10 मार्च 2023 को सीमा हैदर नेपाल आई थी। सचिन मीणा भी 10 मार्च को भारत से नेपाल पहुंचा था। 10 मार्च 2023 से 17 मार्च तक नेपाल के काठमांडू में सीमा और सचिन साथ रहे। 17 मार्च को सीमा पाकिस्तान वापस चली गई थी। इसके बाद 11 मई को अपने चारों बच्चों को लेकर सीमा हैदर पाकिस्तान से काठमांडू नेपाल होते हुए गैर कानूनी तरीके से 13 मई को भारत आ गई।

नेपाल से गैर कानूनी ढंग से इंडियन बॉर्डर पार किया

सचिन दोबारा नेपाल पहुंच गया और 13 मई को ही सचिन मीणा के साथ बॉर्डर पार किया। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा आकर किराए के मकान में रहने लगी। जानकारी मिलने पर रबूपुरा पुलिस ने सचिन मीणा, सीमा गुलाम हैदर और सचिन के पिता नेत्रपाल को गिरफ्तार करके जेल भेजा। तीनों आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। सीमा हैदर का पति 2019 से सऊदी अरब में नौकरी कर रहा है। सीमा का पति घर खर्च के लिए हर महीने 70-80 हजार रुपए सऊदी से भेजता था। घर खर्च के बाद हर महीने 20 से 25 हजार रुपए सीमा बचाती थी।

सीमा ने पाकिस्तान से भागने से पहले इस तरह पैसा जोड़ा

सीमा हैदर ने भारत आने से पहले पैसा जोड़ा था। उसने एटीएस को बताया कि अपने गांव में 10 हजार रुपए की 20 महीने के लिए दो कमेटी डाली थीं।दोनों कमेटी खुलने पर उसके पास दो लाख रुपए जमा हो गए थे।

कमेटी और बचत के पैसे से सीमा हैदर ने 12 लाख रुपए में एक मकान खरीदा था। तीन महीने बाद ही सीमा ने 12 लाख रुपए में वह मकान बेच दिया था। सचिन के पास भारत आने के लिए सीमा हैदर ने अपना मकान बेच डाला।

लंबा हवाई सफर करके बच्चों समेत भारत आई सीमा

सीमा हैदर पहली बार 10 मार्च 2023 को टूरिस्ट वीजा पर कराची एयरपोर्ट से शारजहां एयरपोर्ट और वहां से काठमांडू पहुंची थी। 17 मार्च को इसी रूट से नेपाल से वापस कराची गई थी। 8 मार्च 2023 को सचिन मीणा नोएडा से गोरखपुर पहुंचा और फिर 9 मार्च को गोरखपुर से सोनौली बॉर्डर के जरिए काठमांडू नेपाल पहुंचा था। वह 10 मार्च से 17 मार्च तक सीमा के साथ न्यू विनायक होटल काठमांडू में साथ रहा था। दूसरी बार सीमा 10 मई को 15 दिन के टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान से अपने चार बच्चों के साथ काठमांडू पहुंची थी। पब्लिक ट्रांसपोर्ट वैन में बैठकर बच्चों के साथ नेपाल के पोखरा नेपाल पहुंची थी।

पासपोर्ट, मोबाइल फोन और कैसेट बरामद हुए हैं

12 मई 2023 की सुबह पोखरा नेपाल से बस पकड़कर रूपनदेही खुनवा बॉर्डर से यूपी के सिद्धार्थ नगर जिले में सीमा दाखिल हुई। सिद्धार्थ नगर से लखनऊ और आगरा होते हुए 13 मार्च को ग्रेटर नोएडा पहुंची थी। सचिन मीणा के रबूपुरा के किराए के मकान में रहने लगी। सीमा हैदर के पास से दो वीडियो कैसेट, 4 मोबाइल फोन, 5 पाकिस्तानी पासपोर्ट मिले हैं। जिनमें से एक पासपोर्ट अधूरे नाम पते का बरामद हुआ है। भारत में गैर कानूनी रूप से प्रवेश करने के मामले में सीमा हैदर और उसके चार बच्चों पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य आरोपी का घर फूंका, 4 गिरफ्तारियां और सजा-ए-मौत दिलाने का भरोसा

मणिपुर में पिछले 24 घंटे में क्या-क्या हुआ?

टीबीसी न्यूज

नई दिल्ली। मणिपुर में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने और एक महिला के साथ गैंगरेप मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी के घर में आग लगा दी गई। इस मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह से की बात है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई के लिए कहा है।

वहीं, चुराचांदपुर जिले में शुक्रवार को महिलाओं के साथ हैवानियत के विरोध में रैली निकाली गई। इस बीच, शुक्रवार को नाराज भीड़ ने हैवानियत के मुख्य आरोपी का घर जला दिया है। घटना चेकमाई इलाके की है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले के एक गांव में कुकी-जोमी समुदाय की दो महिलाओं से दरिंदगी का एक वीडियो बुधवार को वायरल हुआ था। ये घटना 4 मई की बताई गई है। इस मामले में पीड़ित परिवार की तरफ से 18 मई को शिकायत की गई थी और पुलिस ने 21 मई को एफआईआर दर्ज कर ली थी। लेकिन, आरोपियों की गिरफ्तारी ढाई महीने बाद भी नहीं की गई थी। दो दिन पहले मामला सामने आया और देशभर में नाराजगी बढ़ी तो मणिपुर पुलिस एक्शन में आई और 24 घंटे के अंदर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मणिपुर पुलिस ने दावा किया है कि उसने घटना के मुख्य साजिशकर्ता और आरोपी हेरोदास सिंह को भी अरेस्ट कर लिया है। थोउबाल जिले से पहली गिरफ्तारी हुई थी। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने वायरल वीडियो पर बयान दिया है। उन्होंने कहा- मैंने डीजीपी को अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और कड़ी सजा दिलाए जाने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है।

जिस थाने में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई गई, वहां के पुलिस अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इंटरनेट बैन हटने के बाद वीडियो वायरल

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी को नोटिस भेजा है और 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। राज्य में इंटरनेट पर बैन हटने के बाद वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस ने बुधवार रात को थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण, गैंगरेप और हत्या की जीरो दर्ज की है।

मौत की सजा दिलवाएंगे: सीएम

मणिपुर में कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि ये मानवता के खिलाफ अपराध है. आरोपियों को सजा-ए-मौत दिलाने की कोशिश होगी। हमने ऑपरेशन शुरू कर दिया है. इसमें शामिल लोगों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा के नए सीईओ ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद गिनाईं प्राथमिकताएं

टीबीसी न्यूज

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के नए सीईओ लोकेश एम ने गुरुवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2005 बैच के आईएएस अधिकारी लोकेश एम को नोएडा प्राधिकरण के सीईओ की जिम्मेदारी दी है।

रितु महेश्वरी को बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा मंडल की आयुक्त के रूप में स्थानांतरित किया है। लोकेश एम कानपुर के मंडलायुक्त थे। उन्होंने गुरुवार को नोएडा आकर सबसे पहले प्राधिकरण कर्मचारियों के साथ बैठक की। शहर के निवासियों की समस्याओं को लेकर चर्चा की। नोएडा को एक सुंदर शहर बनाने के लिए अपनी योजनाएं पेश की हैं। बैठक के बाद उन्होंने मीडिया को नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने की अपनी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

लोकेश एम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता अपने आवंटियों, किसानों और शहर के अन्य हितधारकों के साथ बातचीत में सुधार करना होगा, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। हमारा उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का उचित तरीके से समाधान करना है। अन्य बड़े कानूनी या लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को राज्य सरकार के निर्देशन में हल किया जाएगा।

नए सीईओ मूल रूप से कर्नाटक के निवासी हैं और अपने कार्यकाल के दौरान सहारनपुर में मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले व्यक्तियों का कल्याण करने के लिए जाने जाते हैं। कानपुर में अपनी पोस्टिंग से पहले लोकेश एम सहारनपुर में डिविजनल कमिश्नर के रूप में तैनात थे। उन्हें वहां नशा मुक्ति केंद्र खोलने की पहल के लिए जाना जाता है।

लोकेश एम ने कहा कि हमने सहारनपुर में मादक द्रव्यों के सेवन का शिकार हुए युवाओं की मदद करने के उद्देश्य से नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान शुरू किया था। जिस बड़ी सफलता मिली थी।

नए सीईओ ने अपने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे शहर की सड़कों, पैदल मार्गों, सेंट्रल वर्ज, फुटपाथ और अन्य सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाने में कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने आगे कहा कि हमने बागवानी विभाग और अन्य विंगों को शहर के सभी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण पर काम करने का निर्देश दिया है। हम नोएडा को एक बेहतर और सुंदर शहर में बदल देंगे। मुझे सभी मुद्दों को समझने दीजिए और फिर हम उन्हें कानून के अनुसार सुलझा लेंगे।

25वें ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन की आयोजन समिति की आवश्यक बैठक आयोजित

28 और 29 अक्टूबर को अग्रसेन भवन लोहिया नगर में किया जाएगा ब्राह्मण परिचय सम्मेलन

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। 25वें ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन की आयोजन समिति की आवश्यक बैठक रविवार को आयोजित की गई। पं. देवेंद्र दत्त शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कई विषयों पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में 25वें परिचय सम्मेलन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया। साथ ही 25वें परिचय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया गया। परिचय सम्मेलन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है। जिसमें डीडी शर्मा को आयोजन समिति का अध्यक्ष घोषित किया गया है। मुख्य संरक्षक पं. जेके गौड़, जिलाध्यक्ष जयनंद शर्मा, महानगर अध्यक्ष सुभाष शर्मा, जनपद व महानगर के महामंत्रियों की एक समिति बनाई गई है, जो पदाधिकारियों का चयने करेगी। संजय नगर सेक्टर-23 में आयोजित बैठक में परिचय सम्मेलन के आयोजन को लेकर सदस्यों ने अपनी राय दी। संस्था के मुख्य संरक्षक पं. जे के गौड़ ने कहा कि कहा कि 28 और 29 अक्टूबर को होने वाले ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। परिचय सम्मेलन अग्रसेन भवन लोहिया नगर में किया जाएगा। सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन का काम तेजी से किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन के लिए पांच सौ रुपए का शुल्क रखा गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए अंतिम तिथि 21 अक्टूबर, 2023 रखी गई। बैठक में जयनंद शर्मा, जेके गौड़, नरेश पाल कौशिक, नरेंद्र कुमार शर्मा, आदेश शर्मा हरसांव, हिमांशु पराशर, विपिन कुमार शर्मा, सुरेश शर्मा, बाबूराम शर्मा, आशुतोष शर्मा, वैभव शर्मा, अश्वनी शर्मा, परमानंद गौड़ एडवोकेट, बुद्धप्रकाश शर्मा एडवोकेट, बिजेंद्र कुमार विद्रोही, अभिषेक शर्मा, अनुज शर्मा, मुकेश चंद गौड़, संदीप शर्मा, शशिकांत भारद्वाज, वेदप्रकाश शर्मा, मदनपाल शर्मा, संदीप शर्मा, सोमदत्त शर्मा, सुरेश चंद शर्मा, योगेंद्र शर्मा विजयनगर, सत्यपाल शर्मा, शिवराम सारस्वत, संजय शर्मा, आदेश कुमार शर्मा, एडवोकेट करण शर्मा, विष्णु शर्मा, अजय शर्मा, डॉ. धीरज भार्गव, आकाश शर्मा, आरके शर्मा, रविंद्र नाथ पराशर, नितिन शर्मा, सुभाष शर्मा दुजाना, अमित भारद्वाज, सुभाष कौशिक, डीपी कौशिक, अभिषेक शर्मा, रजनीकांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

गाजियाबाद में एक और धर्मांतरण का मामला आया सामने

खालिद ने दीपक बनकर युवती से किया दुष्कर्म, मस्जिद ले जाकर कराया मतांतरण

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हिंदू नाम बताकर युवती से दोस्ती के बाद ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने और मतांतरण कराने का नया मामला सामने आया है। मामले में आरोपित मीडियाकर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार रात रेलवे स्टेशन के पास से खालिद चौधरी पकड़ा गया है। वह खुद को नोएडा के हिन्दी खबर चैनेल का गाजियाबाद रिपोर्टर बताता था। उस पर हिंदू नाम से फेसबुक प्रोफाइल बनाकर युवती से दोस्ती करने, उसके बाद संबंध बनाने और बाद में वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने करने का आरोप है। मतांतरण कराने के आरोप में 21 जुलाई को थाना विजयजनगर में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। युवती ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2020 में दीपक नाम के युवक से उनकी फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। दीपक ने शादी का झांसा दे संबंध बनाए। इसी बीच पता चला कि दीपक का असली नाम खालिद चौधरी है और वह एक चैनल में पत्रकार है। पीड़िता ने उससे दूरी बनाने की कोशिश की तो फोटो व वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। सितंबर 2022 में गर्भवती होने का पता चला तो खालिद ने बुरी तरह पीटा, जिस कारण गर्भपात हो गया। इसके बाद खालिद निजामुद्दीन (दिल्ली) की एक मस्जिद ले गया और मतांतरण करा आयत नाम रख दिया। आरोपित ने हिजाब पहनने और गोवंशी मास खाने के लिए भी मजबूर किया। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि शुरूआती पूछताछ में खालिद ने सभी आरोपों से इन्कार किया है। उसका कहना था कि युवती और उसके बीच तीन साल से संबंध थे। मतांतरण के लिए कभी नहीं कहा। पीड़िता के बयानों के सत्यापन के लिए मस्जिद से भी जानकारी मांगी है। खालिद का मोबाइल फारेंसिक जांच के लिए

भेजा है। इसके डाटा की छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे। खालिद लंबे समय से गाजियाबाद में पत्रकारिता कर रहा था। रविवार को उसकी गिरफ्तारी की सूचना साझा करने के बाद पुलिस की मीडिया सेल की नींद खुली और सोशल मीडिया सेल के आधिकारिक वाट्सएप ग्रुप से खालिद को हटाया गया। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि आरोपी खालिद चौधरी को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है। वह कहीं दूर भागने की फिराक में था। उसका मोबाइल से कई लड़कियों के चैट और अन्य जानकारी मिली है। पुलिस ने उसके सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच की, जिसमें वह दूसरे धर्म की लड़कियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर उनसे दोस्ती करता था। आरोपी ने युवती की पीठ पर अपने नाम का टैटू भी बनवा दिया था। इस तथ्य को भी पुलिस ने साक्ष्य के रूप में केस डायरी में शामिल किया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली के आदर्शनगर थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज है। आरोपी ने अपने कई करीबियों की करतूत और धमार्तंरण से जुड़े कई राज पुलिस को बताए हैं। ऐसे में अब पुलिस उसके करीबियों की कुंडली भी खंगाल रही है।

प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने की निगम के कार्यों की सराहना

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने गाजियाबाद में किए गए पौधारोपन अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने गाजियाबाद नगर निगम की टीम के साथ स्पोर्ट्स प्लाजा का भी जायजा लिया, जिसमें उनके द्वारा क्रिकेट तथा फुटबॉल में हाथ आजमाया गया।

नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम ना केवल शहर की मौलिक सुविधाओं को उपलब्ध करा रहा है बल्कि शहर में खिलाड़ियों का भी विशेष ध्यान रख रहा है। आरडीसी स्थित फ्लाईओवर के नीचे स्पोर्ट्स प्लाजा काफी प्रशंसनीय रहा। प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने नगर आयुक्त के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य जोनों में भी इसी प्रकार के स्पोर्ट्स प्लाजा बनाने के निर्देश दिए।

असीम अरुण प्रभारी मंत्री ने गाजियाबाद में एनडीआरएफ में वृक्षारोपण भी किया। नगर आयुक्त के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की प्लानिंग को लेकर चर्चा की।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.